Resistance against proposed firing range at Netarhat, Bihar

411. SHRI JALALUDIN ANSARI:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact (hat there isa mass resistance movement against the proposed field firing range pilot project in Netarhat in Bihar; and

(b) if so, the details thereof and what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): (a) Government is not aware of any mass, movement in this regard. However, the Government has received some representations against acquisition of a portion of Netarhat Feild Firing Range. The Range is in use since 1956 and notified upto May, 2002 by the State Government of Bihar.

(b) Does not arise.

रक्षा मंत्रालय के कारखानों में वस्त्रों का निर्माण

412. डा. नौनिहाल सिंह :
श्री सोमपाल :
श्री शारदा महन्ती :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रक्षा मंत्रालय के वस्त्र निर्माण के कारखानों में विश्व प्रसिद्ध ब्राण्डों के वस्त्र बनाए जाने के संबंध में दिनांक 8 जून, 1994 के "इकानामिक टाइम्स" में छपा समाचार सच है ;

(ख) क्या रक्षा मंत्रालय के अन्य वस्त्र निर्माण के कारखानों में भी ऐसी योजना लागू किए जाने की कोई योजना है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी योजनाओं को लागू करने से देश और अन्य इकाईयों को क्या लाभ होने की संभावना है?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) आयुध निर्माण बोर्ड के अधीन वस्त्र निर्माण फैक्टरी द्वारा वस्त्र निर्यात संबंधी रिपोर्ट सही है। यह कार्य विविधीकरण के प्रयास के एक हिस्से के रूप में आरम्भ किया गया है, जिसके द्वारा रक्षा सेनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद शेष रहने वाली उत्पादन क्षमताओं का लाभकारी उपयोग किया जाता है ।

(ख) जी, हां । जितनी मात्रा में आर्डर प्राप्त होंगे उस सीमा तक।

(ग) चमड़े के वस्त्रों का निर्यात किए जाने का एक आर्डर हाथ में है और 1994–95 में 2 लाख वस्त्रों का निर्यात किए जाने का कोटा आयुध वस्त्र निर्माणियों को आबंटित किया गया है। व्यापार का तदनुसार विकास किए जाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

सेमी-कंडक्टर के निर्माण के लिए बी.ई.एल. द्वारा मांगा गया ऋण

413. डा. नौनिहाल सिंह :
श्री सोमपाल :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या रक्षा मंत्रालय के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड ने सेमी-कंडक्टर बनाने के लिए भारत सरकार से किसी ऋण की मांग की है :

(ख) यदि हां, तो इसका विस्तृत ब्यौरा क्या है और इस ऋण का उपयोग करने से इस प्रतिष्ठान को क्या लाभ होने की संभावना है ; और

(ग) भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड की इस मांग पर सरकार ने अब तक क्या निर्णय लिया है और यदि नहीं, तो कब तक निर्णय लिए जाने की संभावना है?